



GN-092

100265

III Semester B.B.A./B.H.M. Examination, December - 2019

(CBCS) (Fresher) (2019-20 and Onwards)

LANGUAGE HINDI - III

Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए :

10x1=10

1. ध्रुवस्वामिनी अपने नीड़ के बारे में क्या कहती है?
2. शकराज का दूत कौन था?
3. आचार्य मिहिरदेव को शकराज वापस क्यों बुलाना चाहता है?
4. रामगुप्त किसे जगत की अनुपम सुन्दरी कहता है?
5. चन्द्रगुप्त कहाँ विश्राम कर रहा था?
6. स्त्री-वेश में ध्रुवस्वामिनी के साथ कौन आया था?
7. शकराज के सामने ध्रुवस्वामिनी ने क्या प्रार्थना की?
8. रामगुप्त कैसा आदमी था?
9. कोमा के अनुसार प्रेम क्या है?
10. "ध्रुवस्वामिनी" नाटक के नाटककार का नाम बताइए।

LIBRARY
Surana College
No. 16, South End Road,
BA' GALORE - 560 004

II. किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

2x6=12

1. "पाषाणी के भीतर भी कितने मधुर स्रोत बहते रहते हैं। उनमें मदिरा नहीं, शीतल जल की धारा बहती है।"
2. "बीती हुई बातों को भूल जाने में ही भलाई है। भाई-भाई की तरह गले से लगाकर गुप्त कुल का गौरव बढ़ाए।"
3. "संसार में बहुतसी बातें बिना अच्छी हुए भी अच्छी लगती हैं, और बहुत-सी अच्छी बातें बुरी मालूम पड़ती हैं।"
4. "मनुष्य के हृदय में देवता को हटाकर राक्षस कहाँ से घुस आता है?"

P.T.O.



III. “ध्रुवस्वामिनी” नाटक के आधार पर “रामगुप्त” का चरित्र-चित्रण कीजिए।

1x12=12

अथवा

“ध्रुवस्वामिनी” नाटक के कथा वस्तु लिखकर, विशेषताएँ बताइए।

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए :

1x6=6

1. आचार्य मिहिरदेव
2. कोमा

V. किन्हीं दो प्रश्नों को लिखिए :

2x10=20

1. सचिव, स्वास्थ्य विभाग, भारत सरकार की ओर से सभी राज्य सरकारों को स्वच्छ भारत अभियान आंदोलन को पूर्ण रूप से अपने राज्यों में कार्यगत करने की सूचना देते हुए कार्यालय आदेश पत्र लिखिए।
2. जिलाधिकारी बेंगलुरु की ओर से पुलिस अधीक्षक के नाम एक अर्ध सरकारी पत्र लिखिए, जिसमें उन्हें राज्यपाल के बेंगलुरु आगमन की सूचना देते हुए सुरक्षा के सारे इन्तजाम करने का निर्देश दीजिए।
3. उप सचिव, गृह विभाग, कर्नाटक सरकार की ओर से एक अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें राज्य में विद्युत अभाव के कारण राज्य के सभी “सीनेमा घरों” में रात के शो प्रदर्शन रद्द करने को सूचना दीजिए।

VI. निम्नलिखित अनुच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए : 1x10=10

आजकल श्रमिकों को उनके श्रम का प्रतिफल प्रायः रुपये पैसे में चुकाया जाता है। इसे नकद मजदूरी कहते हैं। यदि मजदूरी अन्न-वस्त्र आदि पदार्थों में दी जाती है तो उसे मजदूरों की असली मजदूरी कहा जाता है। इसमें मकान, शिक्षा या मनोरंजन आदि की विशेष सुविधाएँ भी मिली होती हैं, जो मजदूरों को अपने मालिकों की ओर से प्राप्त होती हैं। नकद मजदूरी से श्रमिकों की दशा का ठीक ज्ञान नहीं होता है। यह स्पष्ट है कि दो श्रमिकों में से जिसे पदार्थ और सुविधाएँ अधिक मिलती हैं उसकी दशा दूसरे से अच्छी होगी। भारत वर्ष में पहले अधिकतर मजदूरी अन्न में चुकायी जाती थी। आचार्य कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में नकद और असल दोनों प्रकार के वेतन की व्यवस्था की है। यह साधारण तौर से प्रत्येक ऐसे श्रमिक के लिए जो एक व्यक्ति या संस्थान का काम करें कुछ नकद वेतन निश्चित करता है तो साथ ही कुछ भोजन आदि की भी व्यवस्था करता है। उसकी व्यवस्था के अनुसार श्रमिक अपने खाने-पीने की व्यवस्था से बेफिक्र रहता है और नकद वेतन से अपनी दूसरी जरूरतें पूरी करता है। इस दशा में पदार्थों के मूल्य घटने - बढ़ने पर श्रमिकों की आय पर बहुत कम असर पड़ता है।